Roll No. : ..... Total Pages : 6

3541

B.A. (Third Year) Examination, 2017

PRAKRIT

Paper – I

(प्रतिनिधि प्राकृत काव्य एवं अनुवाद)

Time : Three Hours
Maximum Marks : 100

PART–A [Marks : 20]

(खण्ड-अ)

Answer all questions (50 words each).
All questions carry equal marks.
सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 50 शब्दों से अधिक न हो। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

PART–B [Marks : 50]

(खण्ड-ब)

Answer *five* questions (250 words each). Select *one* question from each unit. All questions carry equal marks.
प्रत्येक इकाई से **एक-एक** प्रश्न चुनते हुए, कुल **पाँच** प्रश्न कीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 250 शब्दों से अधिक न हो। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

PART–C [Marks : 30]

(खण्ड-स)

Answer any *two* questions (300 words each).
All questions carry equal marks.
कोई **दो** प्रश्न कीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 300 शब्दों से अधिक न हो। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

PART–A

(खण्ड-अ)

1. निम्नांकित प्रश्नों का उत्तर दीजिए :

UNIT–I

(इकाई–I)

(i) पठितग्रंथ आख्यानमणिकोरा के ग्रन्थकार एवं ग्रन्थ का संक्षिप्त परिचय दीजिए?

(ii) 'सुरसुंदरीचरिय' का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

UNIT–II

(इकाई–II)

(iii) सच्चे मित्र की उपमा किससे दी गई है।

(iv) गाहासत्तसई में वर्णित किन्हीं दो मूल्यों की विवेचना कीजिए।

UNIT–III

(इकाई–III)

(v) 'अहिंसक बाहुबली' पाठ की विषयवस्तु का प्रतिपादन कीजिए।

(vi) घटयाल शिलालेख वर्णित किसी एक कार्य का उल्लेख कीजिए।

UNIT–IV

(इकाई–IV)

(vii) 'कुम्मापुत्रचरिय' किस प्रकार की कथा कही जाती है ? कथा-भेदों के आधार पर सिद्ध कीजिए।

(viii) प्राकृत के मुक्तक काव्यों का रचनाकाल कौन-सा माना गया है?

UNIT–V

(इकाई–V)

(ix) 'हस' अथवा 'खेल्ल' धातु में वर्तमानकालिक प्रत्यय लगाकर धातु रूप लिखिए।

(x) निम्नांकित वाक्यों का प्राकृत में अनुवाद कीजिए :

(अ) तुम पढ़ने के लिए आते हो।

(ब) हम साधु को नमन करते हैं।

PART–B

(खण्ड-ब)

UNIT–I

(इकाई–I)

2. 'शिक्षा-विवेक' की विषय-वस्तु बताते हुए मुख्य मूल्यों का परिचय दीजिए।

3. 'नगरवर्णन' पाठ का परिचय देते हुए उसकी विशेषताएँ प्रतिपादित कीजिए।

UNIT–II

(इकाई–II)

4. 'वज्जालग्गं' के आधार पर सज्जन के स्वरूप का प्रतिपादन कीजिए।

5. दढरोसकलुसिअस्स वि सुअणस्य मुहाहिं विप्पिअं कत्तो।
राहुमुहम्मि वि ससिणो किरणा अमअं विअ मुअन्ति।

UNIT–III

(इकाई–III)

6. अहिंसओ बाहुबली पाठ की समीक्षा कीजिए।

7. निम्नांकित गाथा की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :
जो चिंतेइ ण वंकं, ण कुणदि वंकं ण जंपदे वंकं।
ण य गोवदि णियदोसं, अज्जव-धम्मो हवे तस्स।।

UNIT–IV

(इकाई–IV)

8. प्राकृत के किसी एक चरितकाव्य का परिचय दीजिए।

9. गाहासत्तसई के भाविक वैशिष्ट्य का प्रतिपादन कीजिए।

UNIT–V

(इकाई–V)

10. 'पठ' एवं 'हस' धातु के वर्तमान एवं भूतकाल में क्रियारूप लिखिए।

11. 'चल' एवं 'पुच्छ' धातु का वर्तमान काल में वाक्यों का प्रयोग करके उनको भविष्यतकाल में परिवर्तित कीजिए।

PART–C

(खण्ड-स)

UNIT–I

(इकाई–I)

12. सुरसुन्दरीचरियं के आधार पर नगर-वर्णन कीजिए।

UNIT–II

(इकाई–II)

13. गाहासत्तसई का वैशिष्ट्य प्रतिपादित कीजिए।

UNIT–III

(इकाई–III)

14. प्राकृत के प्रमुख शिलालेखों का परिचय देते हुए घटयाल शिलालेख की महत्ता स्पष्ट कीजिए।

UNIT–IV

(इकाई–IV)

15. प्राकृत-मुक्तक काव्य की परम्परा पर एक निबन्ध लिखिए।

UNIT–V

(इकाई–V)

16. भूतकाल के पाँच वाक्य हिन्दी में लिखकर उनका प्राकृत में अनुवाद कीजिए। तत्पश्चात् उन वाक्यों को प्राकृत के वर्तमान अथवा भविष्यतकाल में परिवर्तित कीजिए।